पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

<u>राज्यपाल ने पुस्तक 'यदा यदा हि योगी' का विमोचन किया</u>

लखनऊः 19 जून, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने वरिष्ठ पत्रकार एवं सहारा समाचार मीडिया के राजनैतिक विश्लेषक श्री विजय त्रिवेदी द्वारा लिखित पुस्तक 'यदा यदा हि योगी' का विमोचन आज गोमती नगर के होटल हयात में किया। इस अवसर पर औद्योगिक विकास मंत्री श्री सतीश महाना, राज्यमंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री मोहसिन रज़ा, वरिष्ठ पत्रकार श्री कमाल खान सहित अन्य विशिष्टजन भी उपस्थित थे। पुस्तक 'यदा यदा हि योगी' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवनवृत्त पर आधारित है।

राज्यपाल ने विमोचन के पश्चात् अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले एक साल में जो भी किया उस पर नजर रखना राज्यपाल के नाते मेरा दायित्व है। मैंने उनके साथ सहयोगी की भूमिका में काम किया है। उन्होंने लोकमान्य तिलक के अजर-अमर उद्घोष की 101वीं वर्षगांठ तथा उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस सरकारी स्तर पर आयोजित करके उत्तर प्रदेश को नई पहचान दी है। 21 प्रदेश अपना स्थापना दिवस मनाते हैं लेकिन उत्तर प्रदेश ने स्थापना के 68 वर्ष बाद पहली बार अपने स्थापना दिवस का आयोजन किया। उत्तर प्रदेश के विकास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औद्योगिक विकास की नींव रखने का काम किया है। सामान्य धारणा है कि उत्तर प्रदेश का उद्योग बिजली और कानून व्यवस्था के कारण पटरी पर नहीं आ सका था। मुख्यमंत्री ने एक साल में विश्वास पैदा किया और उद्योग घरानों ने 4.68 लाख करोड़ रूपये के निवेश का प्रस्ताव दिया। गत दिनों नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास का जो खाका खींचा वह समाज के सामने लाने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला गैस योजना, विद्युत कनेक्शन व अन्य उपलब्धियों पर भी चर्चा की।

श्री नाईक ने श्री विजय त्रिवेदी की पुस्तक पर प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है जहाँ से 80 सांसद लोकसभा जाते हैं और अब तक देश को 9 प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश ने दिये हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बारे में आम जनता और राजनीति की समीक्षा करने वाले अधिक से अधिक जानना चाहते हैं। लेखक ने सहज भाषा में पुस्तक लिखी है जो उत्सुकता को शांत करने वाली पुस्तक है। शीर्षक देने में लेखक की अपनी कुशलता है इसलिये यह कहा जा सकता है कि 'विजय त्रिवेदी कलम के जादूगर हैं। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी पर आधारित उनकी पुस्तक 'हार नहीं मानूंगा' काफी लोकप्रिय रही। पुस्तक में लिखी बातों पर लोग विश्वास करते हैं इसलिये अपनी बात पूरी प्रमाणिकता से लिखी जानी चाहिए। आम लोगों में पुस्तक ,खरीदकर पढ़ने की प्रवृत्ति होनी चाहिए।' उन्होंने कहा कि किताबें भेंट करने का स्वाभाव बनाने की आवश्यकता है।

मंत्री श्री सतीश महाना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इससे पूर्व 5 बार लोकसभा में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है। समाज काम करने वालों के प्रति आकर्षित होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजनीति और प्रशासनिक दक्षता की परिधि में सटीक बैठते हैं। आम आदमी के प्रति उनकी चिंता समाज को आकर्षित करने वाली है। कैबिनेट की बैठकों में मंत्रियों को अपना पक्ष रखने की स्वतंत्रता है। मुख्यमंत्री का सबको साथ लेकर चलने का स्वाभाव और जनसेवा में कभी न थकने वाला व्यक्तित्व है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पुस्तक समाज को दिशा-दर्शन देगी।

लेखक श्री विजय त्रिवेदी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ लोकप्रिय नेता हैं। चुनावों में 'स्टार प्रचारक' के रूप में चुनावी रैली को सम्बोधित करते रहे हैं। पूर्व में इस पुस्तक का विमोचन दिल्ली में हुआ था जिसकी अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही पुस्तक का अंग्रेजी संस्करण भी प्रकाशित किया जायेगा।

कार्यक्रम का संचालन वेस्टलैण्ड पब्लिकेशन्स की सुश्री मीनाक्षी तथा वरिष्ठ पत्रकार श्री कमाल खान द्वारा किया गया।

अंजुम/ललित/राजभवन (244/21)

WESTLAND
an amazon company
योगी आदित्यनाथ
के जीवन के अनज